आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24
भारत के मन की बात
के लिए पत्रकारों की जरूरत है।
चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247
97804-00247
E-mail : info@vandebharat24.com

जालंधर, शुक्रवार, 03 जुलाई 2026

वंदे भारत 24

भारत के मन की बात

@vandebharat24 | vandebharat24 | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

51,000 का वादा बना सियासी मुद्दा

भाजपा महिला मोर्चा का मान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

» वंदे भारत न्यूज़ । जालंधर

02 जुलाई (वर्मा)

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा (जालंधर शहरी) ने आज स्थानीय डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक में पंजाब सरकार के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं को ?51,000 देने के किए गए वादे को पूरा करने की मांग उठाई।

धरने का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंत्री शालू ने किया। इस अवसर पर पार्षद चंद्रजीत संधा, सुमन राणा, किरण भगत, मनीषा जैन, अनु शर्मा, मीनू शर्मा, बिकू कटोच, सीमा रानी, निश्चल, पिंकी, शारदा और बलविंदर शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए महिला नेताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने चुनाव से पहले महिलाओं को 51,000 देने का वादा किया था, लेकिन अब इस वादे से पीछे हटते हुए 3,000 से 4,500 देने जैसी नई घोषणाओं के जरिए महिलाओं को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब की महिलाएं अब केवल घोषणाओं से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि अपने अधिकारों का स्पष्ट हिसाब मांग रही हैं।

नेताओं ने आरोप लगाया कि यदि सरकार की मंशा साफ होती तो पात्र महिलाओं के खातों में सीधे राशि स्थानांतरित की जाती। इसके बजाय महिलाओं को फॉर्म भरने, ऑनलाइन पंजीकरण कराने और सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो पूरे अभियान को संदेहास्पद बनाता है।

महिला मोर्चा ने कहा कि भाजपा की नीति हमेशा स्पष्ट रही है कि चुनावी वादे केवल जीतने के लिए नहीं, बल्कि पूरी ईमानदारी से निभाने के लिए किए जाते हैं। केंद्र सरकार द्वारा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से लाभार्थियों तक बिना किसी बिचौलिए के सहायता राशि पहुंचाना पारदर्शिता और सुशासन का उदाहरण है।

प्रदर्शन के दौरान महिला नेताओं ने पंजाब सरकार से सवाल किया कि महिलाओं से किए गए 51,000 के वादे का क्या हुआ और उन्हें पंजीकरण की प्रक्रिया में क्यों उलझाया जा रहा है। उन्होंने इसे चुनाव से पहले जनता को भ्रमित करने की कोशिश बताया।

भाजपा महिला मोर्चा ने मांग की कि राज्य सरकार अपने चुनावी वादों का स्पष्ट हिसाब जनता के सामने रखे और महिलाओं को गुमराह करना बंद करे। नेताओं ने कहा कि आने वाले समय में पंजाब की महिलाएं लोकतांत्रिक तरीके से इस मुद्दे का जवाब देंगी।

पंजाब में महिलाओं के खातों में आए 1000-1500 रुपये

» वंदे भारत न्यूज़ । चंडीगढ़

02 जुलाई (वर्मा)

जिले में मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना का लाभ महिलाओं तक पहुंचना शुरू हो गया है। योजना के तहत पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,000 से 1,500 रुपये की राशि जमा की गई है। पैसे मिलने के बाद महिलाओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

जिले में करीब दो लाख महिलाएं इस योजना के अधीन आती हैं। बैंक खातों में राशि जमा होने का मैसेज मिलने के बाद गुरुवार को महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। कई महिलाएं पैसे निकालने तो कई पासबुक एंट्री कराने पहुंचीं। जिले की 30-35 प्रतिशत महिलाओं के दस्तावेज पूरे नहीं होने के कारण उनका पंजीकरण अभी नहीं हो पाया है।

इस वजह से गुरुवार को सेवा केंद्रों में भी भारी भीड़ रही। सेवा केंद्र इंचार्ज जतिंदर सिंह ने बताया कि ज्यादातर महिलाएं एससी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आ रही हैं। सभी महिलाओं की फाइलें जमा कर प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। किसी को परेशानी न हो इसके लिए टोकन सिस्टम लागू किया गया है और बारी आने पर काम किया जा रहा है।

लाभार्थियों ने जताई खुशी

योजना का पैसा मिलने पर महिलाओं ने सरकार का आभार जताया और बताया कि वे इस राशि का इस्तेमाल परिवार की जरूरतों में करेंगी।

गोनियाना रोड निवासी निर्मला देवी और राजविंदर कौर ने कहा कि वे यह पैसे बच्चों की पढ़ाई और जरूरी सामान खरीदने में खर्च करेंगी ताकि पढ़ाई में कोई रुकावट न आए।

महिला वर्षा तायल के बैंक खाते में भी पैसे आए हैं। उन्होंने कहा कि वह इन पैसों से घर की जरूरतें पूरी करेंगी ताकि गृहस्थी बेहतर चले।

उनके घर में दो महिलाओं के खातों में राशि आई है।

सोनिया नागपाल ने बताया कि वह बच्चों के लिए कापी, किताब, पेन-पेंसिल खरीदेंगी। जलालाबाद रोड निवासी शोभा जोशी ने कहा कि वह यह राशि घर के रोजमर्रा के खर्चों में लगाएंगी। कुल मिलाकर मावां धीयां सत्कार योजना जिले की महिलाओं के लिए आर्थिक सहारा बन रही है।

LYALLPUR KHALSA COLLEGIATE SR. SEC. SCHOOL G.T. ROAD JALANDHAR
11th & 12th (ARTS & COMMERCE, SCIENCE, HUMANITIES)
Contact : 0181-2970072 Mobile : 90562-90556 Mail.lkc_school09@yahoo.com

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525

आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247 97804-00247

राम मंदिर दान मामले की सच्चाई देश के सामने आए, प्रभावशाली लोगों को बचाने का हर प्रयास बेनकाब हो : रवीश राज शर्मा

» वंदे भारत न्यूज़ । जालंधर
02 जुलाई (सन्नी सहगल)

पंजाब ब्राह्मण कल्याण बोर्ड के पूर्व डायरेक्टर रवीश राज शर्मा ने आज आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान श्री राम मंदिर को प्राप्त दान राशि से जुड़े कथित चोरी के मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस गंभीर प्रकरण में किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति को संरक्षण नहीं मिलना चाहिए और यदि किसी की भूमिका सामने आती है तो उसके विरुद्ध बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई होनी चाहिए।

रवीश राज शर्मा ने कहा कि श्री राम मंदिर निर्माण और उससे जुड़े प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं ने प्रमुख भूमिका निभाई तथा सार्वजनिक रूप से इसका श्रेय लिया। ऐसे में दान राशि से जुड़े इस गंभीर मामले पर भी केंद्र सरकार और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को देश की जनता के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई कर वास्तविक जिम्मेदार लोगों तक जांच नहीं पहुंचने दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और प्रशासनिक नियंत्रण के बावजूद यदि इतनी बड़ी कथित अनियमितता सामने आई है, तो इसकी जांच सभी संबंधित स्तरों तक की जानी चाहिए।

रवीश राज शर्मा ने कहा कि राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था और विश्वास का प्रतीक है। श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धा से दिए गए दान की एक-एक पाई पवित्र अमानत है, इसलिए उसके संग्रह, रखरखाव और उपयोग का पूरा लेखा-जोखा पारदर्शी तरीके से जनता के सामने रखा जाना चाहिए।

उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की जांच किसी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष एजेंसी से कराई जाए तथा जांच की प्रगति समय-समय पर सार्वजनिक की जाए, ताकि श्रद्धालुओं का विश्वास बना रहे। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके पद, राजनीतिक प्रभाव या संगठनात्मक पहचान की परवाह किए बिना कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

रवीश राज शर्मा ने कहा कि आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता ही विश्वास की सबसे बड़ी आधारशिला होती है। यदि जांच निष्पक्ष और बिना किसी दबाव के होगी तो सत्य स्वत: सामने आएगा और करोड़ों श्रद्धालुओं का विश्वास भी कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लीपापोती या पक्षपात न केवल न्याय व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाएगा, बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को भी आहत करेगा।

अंत में रवीश राज शर्मा ने केंद्र सरकार एवं संबंधित जांच एजेंसियों से अपील की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर दोषियों को कानून के अनुसार दंडित किया जाए तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दान प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं मजबूत बनाया जाए।

जालंधर पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह बने सुरजीत हॉकी सोसाइटी के पैट्रन

» वंदे भारत न्यूज़ । जालंधर
02 जुलाई (सन्नी सहगल)

जालंधर के पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह को सुरजीत हॉकी सोसाइटी का नया पैट्रन नियुक्त किया गया है। सोसाइटी के संविधान के अनुसार जालंधर के पुलिस कमिश्नर को संस्था का पैट्रन बनाए जाने का प्रावधान है। गुरुवार को सोसाइटी के पदाधिकारियों ने पुलिस कमिश्नर को नियुक्ति पत्र सौंपकर उनका स्वागत किया।

प्रतिनिधिमंडल में एल.आर. नैयर, वर्किंग प्रेसिडेंट लखविंदर पाल सिंह खैरा, सीईओ इकबाल सिंह संधू, जनरल सेक्रेटरी सुरिंदर सिंह भापा, वाइस प्रेसिडेंट नरिंदर पाल सिंह जज और सेक्रेटरी रणबीर सिंह टूट शामिल रहे। इस दौरान उन्होंने पुलिस कमिश्नर को सुरजीत हॉकी सोसाइटी की गतिविधियों और अक्टूबर में आयोजित होने वाले 43वें इंडियन ऑयल सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट की तैयारियों की जानकारी भी दी।

पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने कहा कि सुरजीत हॉकी सोसाइटी देश की प्रतिष्ठित खेल संस्थाओं में से एक है, जिसने वर्षों से भारतीय हॉकी को नई प्रतिभाएं दी हैं।

उन्होंने बताया कि सोसाइटी की सुरजीत हॉकी अकादमी में 4 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 125 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अनुभवी कोचों और ओलंपियन खिलाड़ियों के मार्गदर्शन से इन खिलाड़ियों का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने हॉकी और सोसाइटी के विकास के लिए हरसंभव सहयोग देने का भरोसा भी दिया। इस अवसर पर जालंधर के डीसीपी मनप्रीत सिंह को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

रचनात्मकता एवं जीवन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेंट सोल्जर ग्रुप में कुकिंग विदाउट फायर गतिविधि का आयोजन

» वंदे भारत न्यूज़ । जालंधर
02 जुलाई (वर्मा)

सेंट सोल्जर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कुकिंग विदाउट फायर गतिविधि का आयोजन किया गया।

इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, स्वस्थ खान-पान की आदतों, टीमवर्क तथा व्यावहारिक जीवन कौशल का विकास करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बिना आग का उपयोग किए स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजन तैयार कर अपनी पाक-कला का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने मिल्कशेक, सैंडविच, मैंगो-कोकोनट पल्प, फ्रूट सलाद सहित अनेक स्वास्थ्यवर्धक एवं आकर्षक व्यंजन तैयार किए।

विद्यार्थियों की उत्कृष्ट प्रस्तुति, नवीन सोच तथा टीम भावना ने सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण एक टीम द्वारा तैयार की गई सुशी रही, जिसने अपने अनूठे स्वाद, आकर्षक प्रस्तुतीकरण एवं रचनात्मकता से सभी का ध्यान आकर्षित किया और निर्णायकों सहित उपस्थित सभी लोगों की सराहना प्राप्त की।

प्राचार्य एवं शिक्षकों ने प्रत्येक टीम के स्टॉल का निरीक्षण किया, विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उनके द्वारा तैयार किए गए व्यंजनों का स्वाद लिया। विद्यार्थियों की मेहनत, रचनात्मक सोच और पाक-कौशल की प्रशंसा करते हुए प्राचार्य ने उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा उन्हें भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

ये गतिविधियाँ न केवल उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं, बल्कि उन्हें जीवनोपयोगी व्यावहारिक कौशल भी प्रदान करती हैं। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और विद्यार्थियों के लिए यह एक प्रेरणादायक, शिक्षाप्रद एवं यादगार अनुभव साबित हुआ।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247 97804-00247

भारत-पाक संबंधों पर पहल के बीच कांग्रेस पर कालिया का हमला, मनीष तिवारी की नाराज़गी पर उठाए सवाल

» वंदे भारत न्यूज़ । जालंधर

02 जुलाई (वर्मा)

जालंधर भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में एक नई पहल सामने आई है। दोनों देशों की 117 प्रमुख हस्तियों ने संयुक्त रूप से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर संवाद बहाली की अपील की है। इस पहल में भारत के 61 और पाकिस्तान के 56 हस्ताक्षरकर्ता शामिल हैं। यह पहल सेंटर फॉर पीस एंड प्रोग्रेस के अध्यक्ष ओपी शाह के नेतृत्व में की गई है।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया ने पाकिस्तान की नीतियों पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि भारत-पाक संबंधों को सुधारने के प्रयास पहले भी किए जा चुके हैं, लेकिन पाकिस्तान का रवैया हमेशा अविश्वसनीय रहा है। कालिया ने 1972 के शिमला समझौते और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की लाहौर यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि हर बार बातचीत के बाद पाकिस्तान की ओर से विश्वासघात देखने को मिला, जिसका उदाहरण कारगिल संघर्ष है।

उन्होंने कहा कि जब तक पाकिस्तान अपनी नीतियों में ठोस बदलाव नहीं लाता, तब तक किसी भी वार्ता का सकारात्मक परिणाम संभव नहीं है। पहलगाम हमले का उल्लेख करते हुए कालिया ने कहा कि ऐसी घटनाएं पाकिस्तान की नीयत पर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

अमरनाथ यात्रा को लेकर उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए किए गए प्रबंधों की सराहना की और यात्रा के सफल एवं सुरक्षित आयोजन की कामना की।

वहीं, पंजाब की राजनीति पर बोलते हुए कालिया ने कांग्रेस पार्टी के भीतर चल रही असंतोष की स्थिति पर निशाना साधा। उन्होंने सांसद मनीष तिवारी की हालिया नाराज़गी का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी अपने वरिष्ठ नेताओं को उचित महत्व नहीं दे पा रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि तीन अलग-अलग क्षेत्रों से सांसद रह चुके मनीष तिवारी को भी पार्टी में अपेक्षित सम्मान नहीं मिल रहा।

कालिया ने आगे कहा कि कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अमरिंदर सिंह राजा वडिंग प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं, जबकि प्रताप सिंह बाजवा विपक्ष के नेता की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, चरणजीत सिंह चन्नी को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी न देकर उन्हें कैंपेन कमेटी का चेयरमैन बनाया गया, जिससे असंतोष की स्थिति और स्पष्ट होती है।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के भीतर चल रहे मतभेदों का असर आगामी विधानसभा चुनावों में देखने को मिलेगा और वर्ष 2027 में पंजाब में भाजपा की सरकार बनने की संभावना है।

इसके अलावा, पाकिस्तान में 125 वर्ष पुराने एक गुरुद्वारा साहिब को गिराए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कालिया ने कहा कि इस ऐतिहासिक धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण कराया जाना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से इस मामले में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी दिखाने की अपील की।

गौरतलब है कि भारत-पाक संवाद बहाली की इस पहल को भारत की ओर से फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, मीरवाइज उमर फारूक, मणिशंकर अय्यर, मनोज झा और पूर्व रॉ प्रमुख ए.एस. दुलत सहित कई प्रमुख हस्तियों का समर्थन मिला है।

वहीं पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी, पूर्व राजनयिक अशरफ जहांगीर काजी और वैज्ञानिक परवेज हूदभॉय समेत कई लोगों ने इस पहल का समर्थन किया।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता मनोरंजन कालिया से मिले पूर्व सांसद सुशील कुमार रिंकू, स्वास्थ्य की जानकारी ली

» वंदे भारत न्यूज़ । जालंधर

02 जुलाई (वर्मा)

पूर्व सांसद सुशील कुमार रिंकू ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोरंजन कालिया के आवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

रिंकू ने मुलाकात के दौरान बताया कि कुछ दिन पहले पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान कालिया की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके चलते उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई और वे मंच पर ही गिर पड़े थे। मौके पर मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तत्परता दिखाते हुए

उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें समय पर उपचार मिला।

उन्होंने कहा कि मनोरंजन कालिया पंजाब की राजनीति के अनुभवी और सम्मानित नेताओं में गिने जाते हैं। अपने लंबे राजनीतिक करियर में उन्होंने नगर निगम पार्षद से लेकर विधायक और कैबिनेट मंत्री तक का सफर तय किया। मंत्री रहते हुए उन्होंने स्थानीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभाली और कई महत्वपूर्ण जनहितकारी फैसले लिए। रिंकू ने उनके कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कालिया ने जालंधर के सिविल अस्पताल को बेहतर सुविधाओं के साथ विकसित करने में अहम योगदान दिया। वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब में लिए गए कई अहम प्रशासनिक और नीतिगत निर्णयों में कालिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विशेष रूप से पुलिस व्यवस्था में सुधार के लिए गठित कमेटी की सिफारिशों पर जालंधर, लुधियाना और अमृतसर में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू की गई, जिसने कानून-व्यवस्था को आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रिंकू ने यह भी कहा कि स्थानीय निकाय मंत्री के रूप में कालिया ने नगर निगम के लगभग 2,000 कर्मचारियों को स्थायी नियुक्ति देकर हजारों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की, जो उनके जनहितैषी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

अंत में पूर्व सांसद ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए मनोरंजन कालिया के जल्द पूर्ण स्वस्थ होने, दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

रैणक बाजार में अवैध कब्जों पर निगम की कार्रवाई सवालों के घेरे में

» वंदे भारत न्यूज़ । जालंधर

02 जुलाई (वर्मा)

नगर निगम की तहबाजारी टीम ने आज रैणक बाजार क्षेत्र में अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलाया। यह कार्रवाई भगवान वाल्मीकि चौक से लेकर शेखा बाजार चौक तक की गई, जहां पहले से ही अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी गई थी।

टीम के मौके पर पहुंचते ही रेहड़ी चालकों और दुकानदारों ने सड़क पर रखा सामान तुरंत अंदर कर लिया। हालांकि, जैसे ही निगम टीम आगे बढ़ी, पीछे से फिर से वही स्थिति बन गई और दुकानदारों व रेहड़ी चालकों ने दोबारा सड़क पर कब्जा कर सामान सजाना शुरू कर दिया।

जब टीम शेखा बाजार से वापस लौटी, तो कुछ स्थानों पर दो से तीन लोगों के चालान काटे गए। बावजूद इसके, कार्रवाई का असर ज्यादा देर तक नजर नहीं आया और टीम के हटते ही अतिक्रमण फिर से शुरू हो गया।

इस पूरे घटनाक्रम ने निगम की कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अतिक्रमण के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित होती है।

गौरतलब है कि रैणक बाजार में अवैध कब्जों की समस्या कोई नई नहीं है। पहले भी कई बार इस तरह की स्थिति सामने आ चुकी है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं निकल पाया है। वहीं, कुछ अतिक्रमणकारियों द्वारा निगम कर्मचारियों पर कथित रूप से पर्ची काटकर पैसे लेने के आरोप भी लगाए जाते रहे हैं, जिससे कार्रवाई की पारदर्शिता पर भी सवाल उठते हैं। शहरवासियों का मानना है कि जब तक प्रशासन सख्त और निरंतर कदम नहीं उठाएगा, तब तक इस समस्या पर काबू पाना मुश्किल रहेगा।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247 97804-00247

विवाद के बीच रितु नूरां ने मांगी माफी, सूफी इंकलाब ग्रुप चेयरमैन ने संगत से शांति बनाए रखने की अपील

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर
02 जुलाई (वर्मा)

सूफी इंकलाब ग्रुप के चेयरमैन की मौजूदगी में सूफी गायिका रितु नूरां ने चल रहे विवाद को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है। यह विवाद बाबा सोमनाथ, रितु नूरां और मंगी खान के बीच एक कलाम (कव्वाली) को लेकर उत्पन्न हुआ था, जिसने बीते कुछ दिनों से माहौल को तनावपूर्ण बना रखा था।

मामले की जानकारी देते हुए चेयरमैन ने बताया कि बीते दिन से संगत द्वारा रितु नूरां के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है, जिससे उन्हें मानसिक रूप से काफी परेशानी झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि हालात को देखते हुए उन्होंने दोनों पक्षों के बीच तालमेल बनाने की पहल की। चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि जिस कलाम को लेकर विवाद हुआ, वह पाकिस्तान के एक कलाकार द्वारा मौला अली की शान में गाया गया था। उन्होंने कहा कि अल्लाह के 99 नामों में अली भी शामिल है और इस नाम को लेकर किसी प्रकार का विवाद उचित नहीं है। उन्होंने माना कि स्टेज पर हुए विवाद के दौरान गुस्से में कुछ आपत्तिजनक बातें कही गईं, जिन्हें टाला जा सकता था।

उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरे मामले को आपसी बातचीत के जरिए सुलझाया जा सकता था, लेकिन संगत द्वारा घर में घुसकर विरोध करना, पुतले फूंकना और मेले का माहौल खराब करना निंदनीय है। चेयरमैन ने बाबा सोमनाथ से अपील की कि वे अपनी संगत को शांत करें और विवाद को समाप्त करवाने में सहयोग दें। वहीं, प्रधान रहमान ने भी कहा कि अगर रितु नूरां से गलती हुई है, तो संगत

ने भी प्रतिक्रिया में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस्तेमाल की जा रही अपमानजनक भाषा पर भी चिंता जताई।

मंगी खान ने अपनी बात रखते हुए बताया कि जब वह दरबार में कलाम गा रहे थे, तभी बाबा सोमनाथ ने उन्हें बीच में ही रोकने को कहा। जब उन्होंने कारण पूछा, तो जवाब मिला कि वह यह कलाम नहीं सुनना चाहते। इसके बाद सेवादार के कहने पर उन्होंने कलाम बंद कर दिया।

मंगी खान ने आगे बताया कि 24 जून को एक अन्य मेले के दौरान, जब वे वही कलाम प्रस्तुत कर रहे थे, तो कुछ लोगों ने आकर उनका विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान बाबा बलदेव शाह ने उनके साथ मारपीट की और जबरन कलाम बंद करवाया। उन्होंने कहा कि यह बात शांति से भी कही जा सकती थी, लेकिन कार्यक्रम के दौरान ही विवाद खड़ा किया गया।

मंगी खान के अनुसार, घटना के बाद पुलिस को बुलाया गया, लेकिन बाद में समीर साईं के कहने पर मामला शांत करवा दिया गया। इसके बावजूद, बाद में संगत द्वारा लगातार विरोध किया जाता रहा। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।

वहीं, रितु नूरां ने कहा कि उनका किसी से कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं है और वह शांति चाहती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके साथ कुछ लोगों द्वारा गलत शब्दावली का प्रयोग किया गया। उन्होंने बताया कि उनके घर पर चल रहे मेले के दौरान भी संगत ने आकर विरोध प्रदर्शन किया।

रितु नूरां और मंगी खान दोनों ने कहा कि यदि किसी को यह लगता है कि उन्होंने कुल्ले वाली सरकार के खिलाफ कुछ कहा है, तो वे इसके लिए माफी मांगते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं था।

अंत में, रितु नूरां ने दोहराया कि वह इस पूरे मामले को लेकर माफी मांगती हैं और चाहती हैं कि विवाद को यहीं समाप्त किया जाए।

विदेश में रह रहे व्यक्ति को पुराने पते पर नोटिस भेजकर भगोड़ा घोषित करना अवैध : पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । चंडीगढ़
02 जुलाई (ब्यूरो)

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति पहले ही विदेश जा चुका है, तो उसे भारत में उसके पुराने पते पर नोटिस भेजकर भगोड़ा (प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर) घोषित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि ऐसा कदम उठाने से पहले कानून में निर्धारित पूरी प्रक्रिया का सख्ती से पालन करना अनिवार्य है।

यह फैसला जस्टिस रोहित कपूर की एकल पीठ ने यौन उत्पीड़न और आईटी एक्ट से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुनाया। कोर्ट ने नकोदर की निचली अदालत द्वारा 12 जनवरी 2018 को जारी भगोड़ा घोषित करने के आदेश को निरस्त कर दिया।

मामले के अनुसार, याचिकाकर्ता के खिलाफ 8 मई 2015 को जालंधर के नकोदर थाने में आईटी एक्ट की धारा 66-ई और 67-ए तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 354-ए के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट को बताया कि एफआईआर दर्ज होने के समय वह किशोरावस्था के करीब था और उसे अग्रिम जमानत मिल चुकी थी।

याचिकाकर्ता के अनुसार, उसके पिता पहले से कनाडा में रहते थे और उनके स्पॉन्सरशिप के तहत वह 9 अगस्त 2017 को कनाडा चला गया। उसे यह गलतफहमी थी कि उसके खिलाफ दर्ज मामला समाप्त हो चुका है।

बाद में, जब उसकी मां भारत आईं, तब परिवार को पता चला कि अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया है। हाईकोर्ट में दलील दी गई कि जब निचली अदालत ने सीआरपीसी की धारा 82 के तहत उद्घोषणा जारी की, उस समय याचिकाकर्ता भारत में मौजूद ही नहीं था। इस कारण निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का सही तरीके से पालन नहीं हुआ। याचिकाकर्ता ने अपने पासपोर्ट के दस्तावेजों के जरिए यह भी साबित किया कि वह उस समय कनाडा में रह रहा था।

इसके अलावा, अदालत ने यह भी नोट किया कि निचली अदालत के आदेश में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि याचिकाकर्ता जानबूझकर फरार था या गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपा हुआ था।

सुनवाई के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि दोनों पक्षों के बीच 6 दिसंबर 2025 को समझौता हो चुका है और एफआईआर रद्द कराने के लिए अलग से याचिका दायर की गई है।

सभी पक्षों की दलीलों पर विचार करने के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि जब उद्घोषणा जारी की गई, उस समय याचिकाकर्ता अपने पुराने पते पर मौजूद नहीं था, क्योंकि वह विदेश में रह रहा था।

ऐसे में उसे भगोड़ा घोषित करना कानून के अनुरूप नहीं था। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने नकोदर अदालत के आदेश को रद्द कर दिया।

कपूरथला मॉडर्न जेल में सुरक्षा में बड़ी सेंध: हवालाती से दो स्मार्टफोन बरामद, CRPF हेड कांस्टेबल पर लगे गंभीर आरोप

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर
02 जुलाई (वर्मा)

पंजाब की अति-सुरक्षित मानी जाने वाली कपूरथला मॉडर्न जेल से सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जेल के भीतर चलाए गए एक विशेष तलाशी अभियान के दौरान एक हवालाती के पास से दो नामी कंपनियों के स्मार्टफोन बरामद होने से हड़कंप मच गया। मामले ने तब और गंभीर रूप ले लिया जब जांच में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के एक हेड कांस्टेबल पर ही मोबाइल मुहैया कराने के आरोप लगे।

जेल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, सहायक सुपरिटेंडेंट किरपाल सिंह द्वारा थाना कोतवाली में इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज करवाई गई है। शिकायत में बताया गया कि आर्म्स एक्ट के तहत बंद हवालाती सिपाहिया उर्फ शाही उर्फ अली (पुत्र मोहम्मद बशीर) की संदिग्ध गतिविधियों के चलते अचानक तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से रेडमी (Redmi) और रियलमी (Realme) कंपनी के

दो चालू स्मार्टफोन बरामद किए गए।

पूछताछ में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

जब जेल अधिकारियों ने हवालाती से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने इस पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया। हवालाती ने खुलासा किया कि ये दोनों एंड्रॉयड स्मार्टफोन उसे किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि जेल में तैनात CRPF के हेड कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ ने उपलब्ध करवाए थे। आरोपी हेड कांस्टेबल जम्मू-कश्मीर के कठुआ का निवासी बताया जा रहा है।

दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज, जांच तेज

थाना कोतवाली पुलिस ने जेल प्रशासन की शिकायत और सहायक सुपरिटेंडेंट की रिपोर्ट के आधार पर हवालाती सिपाहिया और सीआरपीएफ हेड कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ के खिलाफ जेल मैनुअल के उल्लंघन सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस और जेल इंटेलिजेंस विंग पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। जांच का मुख्य फोकस इस बात पर है कि प्रतिबंधित मोबाइल फोन जेल की तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था को पार कर अंदर कैसे पहुंचे। साथ ही यह भी जांचा जा रहा है कि क्या इस अवैध गतिविधि के बदले आरोपी हेड कांस्टेबल ने कोई आर्थिक लाभ लिया था और क्या इस नेटवर्क में अन्य कर्मचारी या बाहरी लोग भी शामिल हैं।

इस घटना ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे आने वाले समय में सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा और सख्ती की संभावना जताई जा रही है।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247 97804-00247

पहले दबाया अपने ही तीन बच्चों का गला फिर कर ली खुदकुशी, मानसा में आर्थिक तंगी से परेशान विधवा का खौफनाक कदम

मानसा (ब्यूरो)- शहर के वार्ड नंबर 3 के गुरुद्वारा इच्छापूर्वक के पास एक किराए के मकान में अपने बच्चों के साथ रहने वाली एक विधवा महिला संदीप कौर (36) ने अपने तीन बच्चों का गला घोटते खुद भी फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली गई।

घटना का उसे समय पता चला जब शाम को इस महिला का कोई रिश्तेदार उनके घर पर पहुंचा। बताया जा रहा है कि संदीप कौर की ओर से अपनी 12 और 8 साल की बेटी और डेढ़ साल के बेटे की गला घोटते हत्या करने के बाद खुद को फंदा लगा लिया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में खुदकुशी का कारण आर्थिक तंगी माना जा रहा है। संदीप कौर के पति की पहले मौत हो चुकी है और वह अपने बच्चों के साथ किराए के मकान पर रहती थी घटना की सूचना मिलने के बाद थाना सिटी-2 की पुलिस ने इन लाशों को भी कब्जे में लेने के बाद सिविल अस्पताल पहुंचाया सिविल अस्पताल के डॉक्टर सात्विक जिंदल ने बताया कि उनके पास पहुंचने वाले तीन बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो चुकी थी थाना सिटी टू के इंचार्ज कुलवंत सिंह ने बताया कि बच्चों को करने के बाद एक महिला द्वारा खुदकुशी की गई है जिसका कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

जापान की कंपनी से भिड़ा लुधियाना का बिजनेसमैन, डिजाइन चोरी का आरोप लगाकर 5 लोगो पर FIR दर्ज कराई

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । लुधियाना

02 जुलाई (ब्यूरो)

एक स्थानीय कारोबारी ने जापानी और भारतीय कंपनी के पांच व्यक्तियों पर डिजाइन चोरी कर पेटेंट कराने का आरोप लगाया है। कारोबारी का दावा है कि आरोपितों ने जापान से मुफ्त में आए टेस्टिंग के पार्ट्स को मशीनों में भरकर बेचा, जिससे सरकार को वित्तीय नुकसान हुआ। थाना डेहलों पुलिस ने कारोबारी की शिकायत पर जापान और भारत से संबंधित मारुयामा एमएफजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, चोरी और आईटी एक्ट से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

आरोपितों में मुनेनोर ओहटा (मैनेजिंग डायरेक्टर), ताकायुकी साइटो (डिप्टी डायरेक्टर), हरमीत सिंह (मैनेजर), रित्विक दास (मैनेजर) और तोशियो कोंडो शामिल हैं। आरोपितों की कंपनी का कार्यालय जिला गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है।

पुलिस को दी गई शिकायत में पक्खोवाल रोड निवासी जगतजीत सिंह ने बताया कि उसकी आलमगीर में जगतसुख इंडस्ट्रीज प्राइवेट

लिमिटेड नामक कंपनी है, जहां कृषि से संबंधित मशीनें बनाई जाती हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार मार्च 2022 में आरोपितों ने उससे संपर्क किया और भारत में मेन्यूफेक्चरिंग पार्टनरशिप का प्रस्ताव दिया।

आरोपितों ने कहा कि वे भारत में प्रतिस्पर्धी मेन्यूफेक्चरिंग यूनिट स्थापित नहीं करेंगे। इस पर उसने मशीनरी, इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन पावर पर बड़ा निवेश किया और आरोपितों की कंपनी को मशीनों के डिजाइन, तकनीकी ड्राइंग, विक्रेताओं की जानकारी, निर्माण प्रक्रिया, लागत विवरण और अन्य गोपनीय तकनीकी सूचनाएं साझा कीं।

जगतजीत सिंह ने आरोप लगाया कि 2022 और 2023 के दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने आलमगीर स्थित फैक्टरी के कई दौरे किए और गोपनीय तकनीकी दस्तावेजों की कथित रूप से कापी कर ली। इसी तकनीकी जानकारी का उपयोग करते हुए कंपनी ने भारत में मशीनों के कुछ पार्ट्स के पेटेंट के लिए आवेदन किया। जांच अधिकारी इंस्पेक्टर विजय कुमार ने बताया कि डीसीपी (इन्वेस्टिगेशन) की ओर से कराई गई जांच के बाद केस दर्ज किया गया है।

वैष्णो देवी जा रही बस पठानकोट में पुल के नीचे पानी में फंसी, 55 श्रद्धालुओं को पुलिस ने सुरक्षित निकाला

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । पठानकोट

02 जुलाई (ब्यूरो)

लगातार हुई तेज बारिश के कारण पठानकोट-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुजानपुर के पास पुल नंबर तीन के नीचे भारी जलभराव हो गया। इसी दौरान देहरादून से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जा रही एक टूरिस्ट बस पानी के बीच फंसकर बंद हो गई। बस में 55 श्रद्धालु सवार थे। सूचना मिलते ही पंजाब पुलिस और सड़क सुरक्षा बल ने मौके पर पहुंचकर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

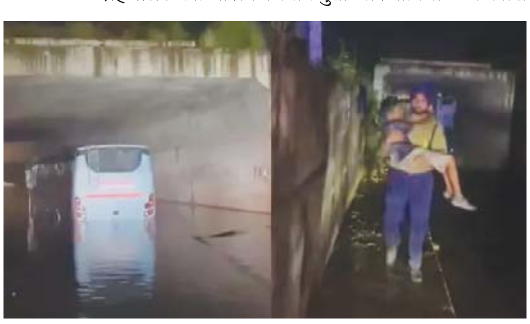

समय रहते किए गए इस राहत अभियान से एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार बुधवार रात हुई मूसलाधार बारिश के चलते पुल नंबर तीन के नीचे काफी मात्रा में पानी जमा हो गया था। जलभराव को देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने एक तरफ से यातायात संचालित करने की व्यवस्था की थी। हालांकि रात के समय बस चालक को पानी की गहराई का सही अंदाजा नहीं लग सका। जैसे ही उसने बस को पुल के नीचे से निकालने का प्रयास किया, बस गहरे पानी में जाकर बंद हो गई।

पंजाब पुलिस की हेल्पलाइन पर मांगी सहयात : बस चालक विनीत गुप्ता और यात्रियों ने तुरंत पंजाब पुलिस हेल्पलाइन पर संपर्क कर मदद मांगी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अरुण शर्मा पुलिस टीम और सड़क सुरक्षा बल के जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। राहत दल ने बिना समय गंवाए बस में फंसे सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया और उनके ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था भी कराई गई। थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि पुल नंबर तीन के नीचे अक्सर बारिश के दौरान पानी जमा हो जाता है। इस बार लगातार हुई तेज बारिश के कारण जलभराव सामान्य से अधिक था, जिससे यह स्थिति बनी। उन्होंने लोगों से अपील की कि बारिश के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतें और प्रशासन द्वारा जारी यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करें।

देहरादून से आए थे यात्री : देहरादून से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए निकले यात्रियों ने राहत अभियान के लिए पंजाब पुलिस और सड़क सुरक्षा बल का आभार जताया। यात्रियों ने कहा कि यदि पुलिस समय पर नहीं पहुंचती तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने न केवल उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला, बल्कि उनके ठहरने की भी तत्काल व्यवस्था कराई। राहत अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा बल के सिपाही रमणदीप सिंह, आदेश कुमार, लखबीर सिंह, विनोद कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र में जलभराव की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम भी किए जाएंगे।

पंजाब के मोगा में धान की रोपाई करते हुए चक्कर खाकर गिरा मजदूर, अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

मोगा (ब्यरो)- पंजाब के मोगा में धान की रोपाई करते समय मजदूर भीषण गर्मी के चलते चक्कर आकर गिर गया। उसे तुरंत नजदीकी डाक्टर के पास ले जाया गया, जहां से उसे बाघापुराना फिर मोगा सिविल अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

थाना बाघापुराना के एएसआई हरमेश लाल ने बताया कि बिहार के जिला मधेपुरा के गांव फनाहन निवासी बसंत शर्मा ने बताया कि उसके पिता चंचल शर्मा (65) गांव जैसिंह वाला के किसान नवदीप सिंह के खेत में धान की रोपाई कर रहे थे।

30 जून की शाम को खेत में भीषण गर्मी के चलते अचानक चक्कर आया और वह वहीं गिर गए। उसके पिता को तुरंत पहले गांव के डॉक्टर के पास ले जाया गया, हालत गंभीर होने पर उनको बाघापुराना में निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां से उन्हें मोगा के सिविल अस्पताल रेफर कर दिया। गांव सिंघावाला के निकट पहुंचे तब तक उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बेटे के बयान पर कार्रवाई करते हुए शव परिजनों को सौंप दिया गया।

जालंधर अदालत के बाहर अचानक टूटा सूखा पेड़, पार्किंग में खड़ी दो गाड़ियां चकनाचूर; बाल-बाल बचे लोग

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर

02 जुलाई (ब्यूरो)

जालंधर की अदालत के बाहर सड़क किनारे बनाई गई पार्किंग में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक सूखा पेड़ अचानक टूटकर वहां खड़ी दो गाड़ियों पर गिर गया। हादसे में दोनों गाड़ियों को काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना के समय पेड़ के नीचे कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह घटना सुबह करीब सवा 10 बजे हुई। पेड़ गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई। पेड़ सड़क तक फैल जाने के कारण कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। वाहन चालकों को रास्ता बदलकर निकलना पड़ा और मौके पर जाम जैसी स्थिति बन गई।

गाड़ी खड़ी कर चैंबर चले गए थे वकील : हादसे में क्षतिग्रस्त हुई गाड़ियों में से एक अधिवक्ता गुलशन सेठी की बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि वह रोजाना की तरह अपनी गाड़ी पार्किंग में खड़ी कर अपने चैंबर चले गए थे। कुछ देर बाद उन्हें फोन पर सूचना मिली कि उनकी गाड़ी पर पेड़ गिर गया है। सूचना मिलते ही वह तुरंत मौके पर पहुंचे, जहां उनकी गाड़ी पेड़ के नीचे दब चुकी थी।

उन्होंने घटना की जानकारी ट्रैफिक पुलिस को दी। सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस के उपनिरीक्षक सतनाम सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस कर्मियों ने सबसे पहले आसपास की सुरक्षा सुनिश्चित की और फिर स्थानीय लोगों की मदद से पेड़ को हटाने की कार्रवाई शुरू करवाई। पेड़ हटने के बाद सड़क पर यातायात को दोबारा सामान्य कराया गया।

लंबे समय से सूखा था पेड़

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पेड़ लंबे समय से पूरी तरह सूख चुका था। इसके बावजूद इसे हटाने की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ऐसे सूखे और जर्जर पेड़ों की पहचान कर उन्हें हटाया जाए तो इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता है। उनका कहना है कि यदि हादसे के समय कोई व्यक्ति गाड़ियों के पास खड़ा होता तो गंभीर दुर्घटना भी हो सकती थी।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247 97804-00247

अमरनाथ यात्राः जम्मू से 259 गाड़ियों से रवाना हुए 4822 श्रद्धालु, पहलगाम-बालटाल से करेंगे पवित्र गुफा के लिए प्रस्थान

सूर्यपुत्री तवी किनारे स्थित भगवती नगर में गुरूवार की तड़के बम -बम बोले, हर-हर महादेव, जय-बाबा बर्फानी के जयघोष के साथ पूरा वातावरण शिवमय हो गया। देश विदेश से आए श्रद्धालुओं के बीच अपने अपने वाहनों में पहले सवार होने की होड़ मची थी ताकि शीघ्रताशीघ्र वह यहां से निकलें और श्री अमरेश्वर धाम के प्रमुख आधार शिविर बालटाल/पहलगाम पहुंचे ताकि शुक्रवार की सुबह वहां से आगे जाने में कोई समस्या न हो और पवित्र गुफा में हिमलिंग स्वरूप में विराजमान भगवान शिव के दर्शन करें।

इन अधीर हुए श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके साथ ही करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के महापर्व श्री अमरनाथ जी यात्रा का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ हो गया।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण कश्मीर में समुद्रतल से लगभग 3888 मीटर की ऊंचाई पर वह पवित्र गुफा स्थित है, जहां भगवान शिव ने मां पार्वती को अमरत्व की कथा सुनाई थी इसलिए इसे श्री अमरेश्वर धाम पुकारा जाता है। आमजन इसे श्री अमरनाथ जी की पवित्र गुफा के नाम से भी संबोधित करता है।

हर वर्ष पवित्र गुफा की वार्षिक तीर्थयात्रा जो रक्षाबंधन के दिन संपन्न् होती है , में शामिल हो पवित्र गुफा में हिमलिंग स्वरूप में विराजमान भगवान शिव के दर्शनार्थ आते हैं। इस वर्ष यह तीर्थयात्रा तीन जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी। आज जम्मू से पूरे धार्मिक उल्लास, भक्ति और उत्साह के माहौल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुए इस पहले जत्थे के साथ ही देश की सबसे प्रतिष्ठित तीर्थयात्राओं में शामिल अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ हो गया। श्रद्धालुओं को रवाना करने से पूर्व उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ध्वजारोहण करते हुए धर्म पताका भी फहराई।

पहले जत्थे में कुल 4,822 श्रद्धालु 259 वाहनों के काफिले के साथ रवाना हुए। इनमें 2,510 श्रद्धालु पारंपरिक पहलगाम मार्ग जबकि 2,312 श्रद्धालु बालटाल मार्ग से पवित्र गुफा तक पहुंचेंगे। यात्रियों में 3,707 पुरुष, 816 महिलाएं, 16 बच्चे, 246 साधु और 37 साध्वियां शामिल हैं। श्रद्धालुओं के काफिले में 106 बसें, 39 मीडियम मोटर वाहन (एमएमवी), 111 हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) तथा तीन दोपहिया वाहन शामिल रहे। अधिकारियों के अनुसार, बालटाल मार्ग का काफिला सुबह 6¬10 बजे और पहलगाम मार्ग का काफिला सुबह 6¬35 बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भगवती नगर से रवाना हुआ।

इस अवसर पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री अमरनाथ जी यात्रा एक ऐसा पवित्र मार्ग है, जहां आस्था का संगम आध्यात्मिक जागरण से होता है।मैं सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुखद, मंगलमय एवं आध्यात्मिक रूप से सफल यात्रा की कामना करता हूं। यह पावन तीर्थयात्रा सभी के जीवन में अपार आनंद और दिव्य शांति लेकर आए।%

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना, केंद्रीय सुरक्षा बलों, स्थानीय समुदाय और सभी संबंधित विभागों ने यात्रा को सुरक्षित, सुगम और निर्बाध बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, आवास, पेयजल, यातायात और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गुरुवार को कश्मीर घाटी पहुंचने के बाद श्रद्धालु बालटाल और नुनवन आधार शिविरों में ठहरेंगे, जहां से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा की ओर अपनी यात्रा शुरू करेंगे। यात्रा मार्ग पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है और पूरे रूट पर पुलिस, सेना तथा केंद्रीय सुरक्षा बलों की विशेष निगरानी रहेगी। भगवती नगर में आयोजित ध्वजारोहण एवं रवाना करने के समारोह में आध्यात्मिक गुरु, विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रमुख, जनप्रतिनिधि, नागरिक प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों तथा श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा परिसर शिवमय हो उठा।

बाबा केदार के दरबार तक पहुंचने की परंपरा कब और कैसे शुरू हुई ?

उत्तराखंड की देवभूमि में स्थित केदारनाथ धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की अटूट आस्था का केंद्र है. साल 2026 की चारधाम यात्रा का आगाज 19 अप्रैल से होने जा रहा है, वहीं बाबा केदार के कपाट 22 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे. हिमालय की गोद में बसे इस धाम की यात्रा और यहां तक पहुंचने की परंपरा सदियों पुरानी है. हर साल की तरह इस बार भी लाखों श्रद्धालु इस दिव्य यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं. धार्मिक ग्रंथों और पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस दरबार की स्थापना और यहां पहुंचने की परंपरा का सीधा संबंध द्वापर युग और महाभारत के युद्ध से जुड़ा हुआ है.

पांडवों से जुड़ी है केदारनाथ यात्रा की शुरुआत

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाभारत युद्ध के बाद पांडव अपने पापों से मुक्ति पाने के लिए भगवान भगवान शिव की शरण में पहुंचे. लेकिन भगवान शिव उनसे नाराज थे और उनसे मिलने से बचने के लिए वे हिमालय की ओर चले गए. कहते हैं कि शिवजी ने बैल (नंदी) का रूप धारण कर लिया और गुप्तकाशी में छिप गए. जब पांडवों को इसका पता चला, तो उन्होंने शिवजी को पहचान लिया. इसके बाद भगवान शिव भूमि में समाने लगे, तभी भीम ने बैल का पिछला हिस्सा पकड़ लिया. यही स्थान आगे चलकर केदारनाथ के रूप में प्रसिद्ध हुआ, जहां भगवान शिव की पिंड (कुबड़) की पूजा होती है.

पंचकेदार की उत्पत्ति का रहस्य

मान्यता है कि शिव के शरीर के अलग-अलग अंग हिमालय के विभिन्न स्थानों पर प्रकट हुए, जिन्हें आज पंचकेदार कहा जाता है.

केदारनाथ मंदिर (कुबड़)
तुंगनाथ मंदिर (भुजाएं)
रुद्रनाथ मंदिर (मुख)
मध्यमहेश्वर मंदिर (नाभि)
कल्पेश्वर मंदिर (जटा)

इन्हीं स्थानों की यात्रा करने की परंपरा धीरे-धीरे विकसित हुई और आज यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा बन चुकी है.

आदि शंकराचार्य ने दी यात्रा को नई पहचान

इतिहास के अनुसार, 8वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने केदारनाथ मंदिर का पुनरुद्धार किया और इसे हिंदू धर्म के प्रमुख तीर्थों में स्थापित किया. उन्होंने ही चारधाम यात्रा को संगठित रूप दिया, जिससे यह परंपरा देशभर में प्रसिद्ध हो गई.

अटूट आस्था की परीक्षा है ये यात्रा

पहले के समय में केदारनाथ तक पहुंचना बेहद कठिन था. श्रद्धालु पैदल, जंगलों और पहाड़ों के खतरनाक रास्तों से गुजरते हुए यहां पहुंचते थे. आज भले ही सुविधाएं बढ़ गई हों, लेकिन अभी भी इस यात्रा में कठिन चढ़ाई और मौसम की चुनौती बनी रहती है. यही कारण है कि इसे तप और भक्ति की परीक्षा भी माना जाता है.

क्यों खास है बाबा केदार का दरबार?

मान्यता है कि केदारनाथ धाम में सच्चे मन से दर्शन करने पर सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है. यही वजह है कि हर साल लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान शिव के इस दिव्य स्वरूप का आशीर्वाद लेते हैं.

विराट कोहली वनडे सीरीज में तहलका मचाने को तैयार! नेट्स पर उड़ाया गर्दा; अंग्रेजों की तो खैर नहीं

भारत और इंग्लैंड के बीच इन दिनों 5 टी20 मैचों की सीरीज खेली जा रही है। बुधवार को खेला गया पहला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था। टी20 के बाद दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इसकी शुरुआत 14 जुलाई से होगी।

वनडे सीरीज से पहले विराट कोहली ने अभ्यास शुरू कर दिया है। कोहली को भारतीय वनडे टीम में जगह दी गई। हालांकि, बीसीसीआई ने साफ कर दिया था कि उनकी मौजूदगी सब्जेक्ट टू फिटनेस है।

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेले

अब विराट कोहली ने पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर के साथ मिलकर अलीबाग में अभ्यास किया। उनकी प्रैक्टिस की वीडियो तेजी से वायरल हो रही है। इसके बाद से कयास लगाए जाने लगे हैं कि कोहली पूरी तरह फिट हैं और इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतर सकते हैं। इंजरी के चलते विराट अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज नहीं खेले थे। कोहली की वापसी से भारत का मिडिल ऑर्डर मजबूत होगा।

कोहली रच सकते इतिहास

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली इतिहास रच सकते हैं। उनके पास वनडे में 15000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बनने का मौका है। इस लिस्ट में टॉस पर सचिन तेंदुलकर (18426) हैं। कोहली ने अब तक खेले 311 वनडे की 299 पारियों में 58.71 की औसत और 93.82 की स्ट्राइक रेट से 14797 रन बनाए हैं। इस दौरान विराट ने 77 अर्धशतक के साथ ही 54 शतक भी लगाए हैं। 15000 के आंकड़े से वह सिर्फ 203 रन दूर हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ प्रदर्शन

विराट कोहली को इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी करना पसंद है। कोहली ने अंग्रेजों के खिलाफ अब तक खेले 38 वनडे की 38 पारियों में 1397 रन बनाए हैं। इस दौरान भारतीय दिग्गज ने 10 फिफ्टी और 3 सेंचुरी ठोकी हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन सकते हैं।

रोहित शर्मा से छिन गया हिटमैन का ताज करणबीर सिंह के तूफानी छक्कों ने रचा नया इतिहास

ऑस्ट्रिया के करणबीर सिंह ने रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वह टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कमाल की बात है कि सिंह ने बेहद ही कम पारियों में रोहित को पछाड़ा है।

2 साल पहले लिया था संन्यास

टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद रोहित ने इस फॉर्मेट से संन्यास का एलान कर दिया था। रोहित ने 2007 से 2024 तक अपने करियर में 159 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले। इस दौरान 151 पारियों में उन्होंने 32.05 की औसत और 140.89 की स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। टी20 इंटरनेशनल में रोहित ने 205 सिक्स ठोके थे।

रोहित से आगे निकले सिंह

अब करणबीर सिंह ने 60 टी20 इंटरनेशनल की 59 पारियों में 207 छक्के ठोके हैं। हंगरी के खिलाफ हाल ही में खेले गए एक टी20 मुकाबले में करणबीर ने 57 गेंदों पर 164 रन की आतिशी पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 18 चौके और 12 छक्के निकले। उनकी इस पारी की बदौलत ऑस्ट्रिया ने हंगरी को 157 रन से शिकस्त दी।

2024 में किया था डेब्यू

करणबीर सिंह ने 25 मई 2024 को बेल्जियम के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। इस फॉर्मेट में वह अब तक 2533 रन बना चुके हैं। इस दौरान सिंह की औसत 48.71 की और स्ट्राइक रेट 175.41 की रही है। ऑस्ट्रिया के इस बल्लेबाज ने फटाफट क्रिकेट में 20 अर्धशतक और 4 शतक लगाए हैं।

'यह जीत हमें परिभाषित नहीं करती' –इंग्लैंड की जीत के बाद हैरी केन का बड़ा संदेश

फीफा विश्व कप 2026 में इंग्लैंड राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई है। कप्तान हैरी केन द्वारा मैच के आखिरी 15 मिनट में लगाए 2 गोलों की मदद से इंग्लैंड ने डीआर कांगो को हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। इंग्लैंड ने 2-1 से जीत दर्ज की। इंग्लैंड का राउंड ऑफ 16 में मेक्सिको से मुकाबला होगा।

इंग्लैंड ने अपने इतिहास में पहली बार हाफ-टाइम तक पीछे रहने के बाद वर्ल्ड कप मैच जीता। पिछले नौ मौकों पर जब वे ब्रेक के समय पीछे थे, तो उन्होंने दो बार ड्रॉ किया था और सात बार हारे थे।

इंग्लैंड की जीत के बाद विंगर एंथनी गॉर्डन ने कहा कि केन ने पिच पर अपने साथियों से बात की, फिर वे फैंस के पास जाकर गाने लगे और इस बात पर जोर दिया कि जीत की मुश्किल की वजह से उन्हें इस पल का आनंद लेने से खुद को नहीं रोकना चाहिए।

इंग्लैंड फुटबॉल के अनुसार, गॉर्डन ने कहा, वह कह रहे थे कि यह जीत हमें परिभाषित नहीं करती। इससे हम टूर्नामेंट नहीं जीतते, लेकिन किसी भी दूसरे देश की तरह इसका मजा लें। कभी-कभी बड़े देशों में ठीक से जश्न न मनाने की आदत होती है क्योंकि वे आगे बढ़ना चाहते हैं और उनकी उम्मीदें बहुत ज्यादा होती हैं, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। यह वर्ल्ड कप में एक मजबूत टीम के खिलाफ जीत है और अब हम राउंड ऑफ 16 में हैं।

गॉर्डन इंग्लैंड की वापसी में अहम साबित हुए, उन्होंने 61वें मिनट में बेंच से लाए गए केन के दोनों गोल सेट किए। हालांकि, खुद पर ध्यान देने के बजाय, 25 साल के गॉर्डन ने अपने साथी खिलाड़ी के योगदान की चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे केन की गोल करने की काबिलियत ने दोनों गोल के लिए उनके फैसले लेने पर असर डाला।

उन्होंने कहा, यह सब केन के बारे में है। उनके बिना, मैं शायद वे फैसले नहीं लेता।

क्रॉस के लिए, मैं शायद नॉर्मल तरीके से शॉट मारता, लेकिन जैसे ही मैंने उसे छुआ, मुझे लगा कि वह कहीं अंदर है और मैंने सोचा कि इसे क्षेत्र में गेंद डाल दो और बाकी काम वह दोनों गोल के लिए कर देगा।

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

Fit Zindagi

लौंग से अनेक तकलीफों का इलाज

लौंग दांत दर्द में दे आराम

लौंग की हमारे भारतीय मसालों में खास जगह है। इससे खाने को नया स्वाद और खुशबू मिलती है। इतना ही नहीं, लौंग के अनेक औषधीय इस्तेमाल भी हैं।

कफ से जुड़ी समस्या को करे दूर : इस मौसम में सूखी खांसी, कफ, गला बैठने, कफ की वजह से आवाज में विकृति आने, बहुत ज्यादा खांसी से पेट में दर्द आदि की परेशानियां होती हैं। यही नहीं, कफ से जुड़ी ऐसी कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने के लिए लौंग बहुत कारगर है। 15-20 ग्राम लौंग को गरम तवे पर भून लें और फिर उन्हें ठंडा कर लें। इन्हें एक शीशी में भरकर रख लें। इस प्रकार से भुनी हुई लौंग को मुंह में रखकर चूसते रहें। इस तरह एक दिन में तीन से चार लौंग का सेवन करने से ऐसी तकलीफों में फौरन आराम मिलता है।

दांत दर्द दूर करे

दांत दर्द में सबसे आसान व असरदार तरीका लौंग और उसका तेल है। लौंग दांत दर्द व मसूड़ों की सूजन को कम करती है। इसके उपयोग से जल्दी से आराम मिलता है, साथ ही यह संक्रमण को फैलने से भी रोकती है। लौंग दांतों और मसूड़ों पर एंटीसेप्टिक का काम भी करती है। इसके लिए रुई का एक फाहा लें, उसमें 4 - 5 बूंदें लौंग के तेल की डाल लें। उसे दांत में दर्द वाले स्थान पर लगाएं। दूसरा उपाय यह है कि दो लौंग के पाउडर में आधा छोटा चम्मच ऑलिव ऑयल मिलाकर उसे दर्द वाले स्थान पर लगाएं। काफी लाभ होगा।

पाचन सही रखे : **लौंग पाचन सही रखने में सहायक है। लौंग से पेट दर्द, गैस, उल्टी, मरोड़, डायरिया की शिकायत दूर होती है। हाजमा दुरुस्त रखने के लिए खाना खाने के बाद लौंग का सेवन कर सकते हैं या इसे मसाले के रूप में उपयोग में ला सकते हैं।**

जुकाम ठीक करे

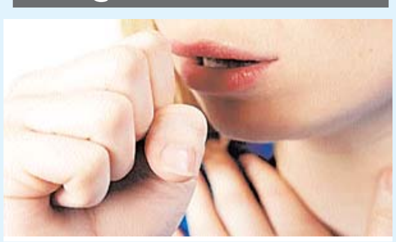

लौंग के प्रयोग से साधारण सी सर्दी, जुकाम, वायरल, गले में संक्रमण, सांस की परेशानी ठीक हो जाती है। सर्दी होने पर लौंग वाली चाय रोज दिन में दो-तीन बार पिएं। इसके लिए एक कप चाय के पानी में एक लौंग डाल सकते हैं। इससे आपके शरीर पर ठंड का असर कम होगा, कफ कम हो जाएगा और सर्दी से होने वाली परेशानियों में भी आराम मिलेगा। संभव हो सके तो रोज दिन में 2-3 लौंग चबाएं, इससे सर्दी से बचना आसान होगा।

मुंह की दुर्गंध दूर करे : सांसों से आने वाली बदबू को लौंग के प्रयोग से दूर किया जा सकता है। इसके लिए एक या दो लौंग को मुंह में रखकर लगभग 15 -20 मिनट चबाएं, दुर्गंध गायब हो जाएगी। लौंग को पानी में उबालकर ठंडा कर लें। अब इस पानी से दिन में दो-तीन बार कुल्ला करें। इससे भी मुंह की दुर्गंध दूर हो जाएगी। किसी भी तकलीफ में लौंग का इस्तेमाल करने से पहले विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें।

ध्यान दें

लौंग की तासीर गरम होती है, इसलिए जिन्हें गरम तासीर वाली चीजों से परेशानी होती हो, उन्हें लौंग का सेवन विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही करना चाहिए।

दर्द में फायदेमंद

लौंग के तेल में थोड़ा-सा ऑलिव ऑयल मिलाकर दर्द वाली जगह पर मसाज करें। ऐसा दिन में कई बार करें। एक-दो दिन में आराम मिल जाएगा।

2-3 लौंगों को सेक कर इन्हें एक साफ कपड़े में बांध लें। अब इस कपड़े से दर्द वाली जगह की सिकाई करें।

मांसपेशियों में सूजन, अंदरूनी चोट या घाव में राहत के लिए 100 मिलीलीटर सरसों या तिल के तेल को हल्की आंच पर गरम करें। फिर उसमें 5 से 7 लौंग हल्का कूटकर डालें। अब इसे 3-4 मिनट तक पकाएं और फिर इसे छान कर रख लें। दिन में दो बार यह तेल सूजन या अंदरूनी घाव या चोट वाली जगह पर लगाएं।

1-2 बार में ही आराम मिल जाएगा और सूजन भी जल्दी ही ठीक हो जाएगी।

डायलिसिस कब, क्यों और कैसे?

जब किडनी की कार्यक्षमता कमजोर हो जाती है, शरीर से विषैले पदार्थ पूरी तरह नहीं निकल पाते, क्रिएटिनिन और यूरिया जैसे पदार्थों की अधिकता होने पर कई प्रकार की समस्याएं बढ़ जाती हैं तो ऐसे में मशीनों की सहायता से रक्त को साफ करने की प्रक्रिया को डायलिसिस कहते हैं।

कब जरूरत पड़ती है?

- क्रॉनिक रिनल डिजीज या क्रॉनिक किडनी डिजीज के कारण क्रिएटिनिन क्लियरेंस रेट 15 फीसदी या उससे भी कम हो जाए तो डायलिसिस करना पड़ता है।
- किडनी की समस्या के कारण शरीर में पानी इकट्ठा होने लगे यानी 'फ्लूइड ओवरलोड' की समस्या हो जाए। पहले दवा देकर देखा जाता है, फायदा न मिलने पर डायलिसिस करना पड़ता है।
- अगर शरीर में पोटेशियम की मात्रा बढ़ जाए और हृदय की धड़कनें अनियमित हो जाएं तो अलग-अलग तरह की दवाएं दी जाती हैं। दवाओं का असर न दिखे तो डायलिसिस की सलाह दी जाती है।
- 'रेजिस्टेंस मेटाबॉलिक एसिडोसिस' की वजह से एक्यूट रिनल फेल्योर का खतरा उत्पन्न हो जाता है। इस रोग से शरीर में एसिड की मात्रा अचानक बढ़ जाती है। शुरू में सोडाबाइकार्ब जैसी दवाओं से नियंत्रण की कोशिश की जाती है। फायदा न होने पर डायलिसिस करना पड़ता है इनके अलावा यूरिमिक पेरिकार्डाइटिस, यूरिमिक एनकेफेलोपैथी और यूरिमिक गैस्ट्रोपैथी जैसे रोगों की वजह से भी डायलिसिस की जरूरत पड़ सकती है।

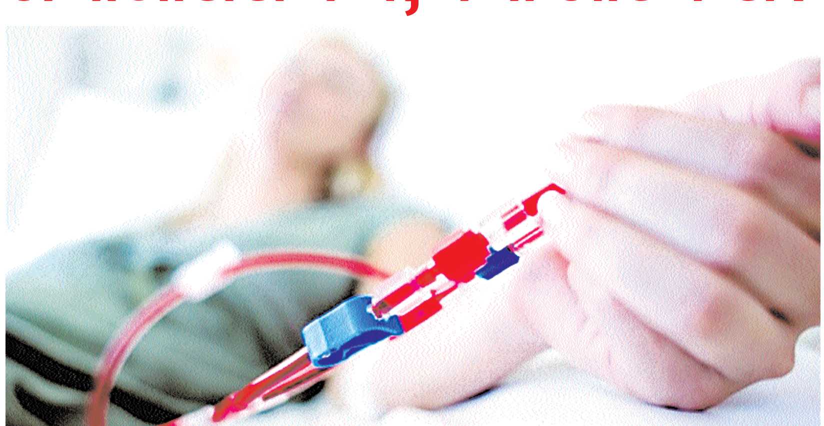

कितने प्रकार के डायलिसिस?

समस्या के प्रकार और गंभीरता के अनुसार डायलिसिस दो प्रकार का होता है-

1. **हीमोडायलिसिस**
2. **पेरिटोनियल डायलिसिस।**

हीमोडायलिसिस

यह एक प्रक्रिया है। जिसे कई चरणों में संपन्न करना पड़ता है। इस प्रक्रिया में शरीर से विशेष प्रकार की मशीन द्वारा एक बार में 250 से 300 मिलिलीटर रक्त को बाहर निकालकर शुद्ध किया जाता है और वापस शरीर में डाला जाता है। इस शुद्धीकरण के लिए 'डायलाइजर' नामक चलनी का प्रयोग किया जाता है। यह प्रक्रिया केवल अस्पताल में ही की जाती है।

पेरिटोनियल डायलिसिस

इस डायलिसिस में रोगी की नाभि के नीचे ऑपरेशन के माध्यम से एक नलिका लगाई जाती है। इस नलिका के जरिए एक प्रकार का तरल (पी. डी. फ्लूइड) पेट में प्रवेश कराया जाता है। पेट के अंदर की झिल्ली डायलाइजर का काम करती है जो पी. डी. फ्लूइड के अच्छे पदार्थों को शरीर में प्रवेश कराती है और रक्त में मौजूद विषैले पदार्थों को बाहर निकालती है। यह तरल पेट में 5-6 घंटे तक रखना पड़ता है। इसके बाद नलिका के माध्यम से पी. डी. फ्लूइड को बाहर निकाला जाता है।

यह आजकल प्रचलन में काफी ज्यादा है। यह उपचार उन लोगों का होता है जो या तो बेहद कम उम्र या ज्यादा आयु के होते हैं, विज्ञान की भाषा में इसे 'एक्सट्रीम ऑफ एजेस' कहते हैं। जिन लोगों को हृदय संबंधी समस्या हो या ऐसे लोग जो हीमोडायलिसिस प्रक्रिया को सहन न कर पाए उनके लिए उपचार का यह तरीका काफी उपयोगी होता है।

- ब्लड प्रेशर बार-बार कम या अधिक होने या दिल की गंभीर समस्या होने पर पेरिटोनियल डायलिसिस किया जाता है।